

**DEPARTMENT OF HINDI**

**PSO/CO**



**PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES AND  
COURSE OUTCOMES OF  
HINDI ( UG & PG )**

## **VISION**

**The department of Hindi envisions to inspire and prepare a generation of youth in this part of Chhattisgarh to use their natural talent, and to inculcate a sense of integrity, humanity and civic sensibility among them through awareness towards study of literature as an art-form.**

## **MISSION**

**The department aims to inspire its students to develop language skill(listening, speaking, reading and writing). It encourages and promotes interest in appreciating literature, developing aesthetic sensibility and nurturing all forms of creativity inherent in students.**

**Program Outcomes : M.A. Hindi**

<b>DEPARTMENT OF HINDI</b>	<b>AFTER SUCCESSFUL COMPLETION OF TWO YEAR P.G. DEGREE PROGRAM IN HINDI A STUDENT SHOULD BE ABLE TO:</b>
<b>PROGRAM OUTCOMES</b>	<b>P.O.1</b> – छात्रों को हिन्दी साहित्य के विभिन्न विधाओं, प्रवृत्तियों, रचनाओं एवं रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।
	<b>P.O.2</b> – छात्रों को भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
	<b>P.O.3</b> – समीक्षात्मक दृष्टिकोण का विकसित होगा।
	<b>P.O.4</b> – छात्रों में हिन्दी साहित्य के अध्ययन से उनके नैतिक मूल्यों, राष्ट्रीय मूल्यों तथा सामाजिक मूल्यों में अभिवृद्धि होगी।
	<b>P.O.5</b> – छात्रों को शासकीय कार्यालयों में अनुप्रयुक्त कार्यालयीन हिन्दी भाषा का परिचय होगा।
	<b>P.O.6</b> – हिन्दी भाषा और उसके विविध बोलियों के विकास के संबंध में ज्ञान प्राप्त होगा।
	<b>P.O.7</b> – विभिन्न भारतीय साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
	<b>P.O.8</b> – अनुसंधान करने की क्षमता का निर्माण होगा।

**Course Outcomes : M.A. Hindi Each Semester**

<b>M.A. Hindi – 1 Semester</b>	<b>CO.1-</b> छात्रों को आदिकालीन एवं पूर्व मध्यकालीन साहित्य के विभिन्न स्वरूपों, प्रवृत्तियों, रचनाओं और रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।
	<b>CO.2-</b> छात्रों में प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के अंतर्गत चंदबरदाई, कबीर एवं जायसी की रचनाओं के प्रति समीक्षात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
	<b>CO.3-</b> छात्र प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्यभाषा से परिचित होंगे।
	<b>CO.4-</b> छात्र छायावादी एवं समकालीन जीवन दर्शन से परिचित होंगे।
	<b>CO.5-</b> छात्रों को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त होगा।
	<b>CO.6-</b> छात्रों को गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी प्राप्त होगी।
<b>M.A. Hindi – 2 Semester</b>	<b>CO.1 –</b> छात्रों को उत्तर मध्यकालीन एवं आधुनिककालीन साहित्य के विभिन्न स्वरूपों, प्रवृत्तियों, रचनाओं और रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।
	<b>CO.2 –</b> छात्रों में सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी के काव्य की समीक्षात्मक दृष्टिकोण में अभिवृद्धि होगी।
	<b>CO.3 –</b> छात्रों को केशव, भूषण, पदमाकर, देव, घनानंद के काव्य प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
	<b>CO.4 –</b> छात्रों को प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य की प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
	<b>CO.5 –</b> छात्रों में काव्य के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि का विकास होगा।
	<b>CO.6 –</b> छात्रों को आधुनिक काल के काव्य प्रकारों एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान होगा।
	<b>CO.7 –</b> छात्र उपन्यास, निबंध और कहानी विधा के स्वरूप व शिल्पविधि से परिचित होंगे।
<b>M.A . Hindi- 3 Semester</b>	<b>CO.1 –</b> छात्र भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित होंगे।
	<b>CO.2 –</b> छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का ज्ञान होगा।
	<b>CO.3 –</b> छात्रों को भाषा विज्ञान के स्वरूप, अंग और शाखाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
	<b>CO.4 –</b> छात्रों में भाषा के प्रयोग के संबंध में समुचित दृष्टिकोण का विकास होगा।
	<b>CO.5 –</b> छात्र कामकाजी हिन्दी और पत्रकारिता के विभिन्न स्वरूप एवं विकास से परिचित होंगे।
	<b>CO.6 –</b> छात्र पारिभाषिक शब्दावली एवं हिन्दी में कम्प्यूटर के अनुप्रयोग से परिचित होंगे।
	<b>CO.7 -</b> छात्रों को भारतीय साहित्य के स्वरूप एवं उनमें अभिव्यक्त भारतीय मूल्यों का ज्ञान होगा।
<b>M.A.Hindi</b>	<b>CO.1 –</b> छात्रों को हिन्दी आलोचना एवं समीक्षाशास्त्र का ज्ञान होगा।
	<b>CO.2 –</b> छात्र हिन्दी कवि एवं आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित होंगे।
	<b>CO.3 –</b> छात्रों में व्यावहारिक समीक्षा का ज्ञान होगा।
	<b>CO.4 –</b> छात्रों को हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि व भौगोलिक विस्तार का ज्ञान होगा।
	<b>CO.5-</b> छात्रों को मीडिया लेखन एवं अनुवाद के सिद्धांत व व्यवहार का ज्ञान होगा।
	<b>CO.6 –</b> छात्र लोक साहित्य के स्वरूप एवं महत्व से परिचित होंगे।
	<b>CO.7 –</b> छात्रों को छत्तीसगढ़ साहित्य की विभिन्न विधाओं का ज्ञान होगा।

**Course Outcomes :Subject Hindi**

Department	Course	After Completion of these courses students should be able to:
Hindi	FC-Hindi Language B.A.1 <sup>st</sup> Year/ B.Sc 1 <sup>st</sup> Year/ B.Com 1 <sup>st</sup> Year	CO.1- छात्रों को हिन्दी भाषा के रचनात्मक पहलुओं का ज्ञान होगा।
		CO.2- छात्रों को शुद्ध हिन्दी वर्तनी एवं मानक हिन्दी भाषा के प्रयोग का ज्ञान होगा।
		CO.3 - छात्रों को देवनागरी लिपि के विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान होगा।
		CO.4- छात्र कम्प्यूटर में हिन्दी के अनुप्रयोग से परिचित होंगे।
		CO.5- छात्रों को संक्षेपण, पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद एवं परिभाषिक शब्दावली का ज्ञान होगा।
	FC-Hindi Language B.A.2 <sup>nd</sup> Year/ B.Sc 2 <sup>nd</sup> Year/ B.Com 2 <sup>nd</sup> Year	CO.1- छात्रों को हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकारों के निबंधों का परिचय प्राप्त होगा।
		CO.2- छात्र कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त व वाणिज्य की भाषा, मशीनी भाषा से परिचित होंगे।
		CO.3- छात्र हिन्दी भाषा और उसके विविध रूपों से परिचित होंगे।
		CO.4- छात्र अनुवाद की प्रक्रिया के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक स्वरूपों से परिचित होंगे।
		CO.5- छात्र हिन्दी की व्याकरणिक कोटियों से परिचित होंगे।
	FC-Hindi Language /B.A.3 <sup>rd</sup> Year/ B.Sc 3 <sup>rd</sup> Year/ B.Com 3 <sup>rd</sup> Year/	CO.1- छात्रों में हिन्दी साहित्य एवं रचनाकारों के प्रति रुचि का निर्माण होगा।
		CO.2- छात्र कथन की विभिन्न शैलियों से परिचित होंगे।
		CO.4- छात्र वाक्य की विभिन्न संरचनाओं से परिचित होंगे।
		CO.5- छात्रों को हिन्दी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
		CO.6- छात्रों को अनुवाद प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त होगा।
CO.7- छात्र घटनाओं, विभिन्न समारोहों के प्रतिवेदन लेखन से परिचित होंगे।		
CO.8- छात्रों को हिन्दी के साहित्यिक विचारों का ज्ञान प्राप्त होगा।		
Hindi Literature B.A. 1 <sup>st</sup> Year	CO.1- छात्रों को प्राचीन हिन्दी काव्य के विभिन्न स्वरूपों एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।	
	CO.2- छात्र कबीर, जायसी, सूर, तुलसी एवं घनानंद के काव्य से परिचित होंगे।	
	CO.3- छात्रों में भक्ति एवं संत काव्य की समीक्षात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।	

	<p>CO.4- छात्र विद्यापति, रहीम एवं रसखान के साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।</p> <p>CO.5- आधुनिक हिन्दी गद्य की विधाओं से परिचित होंगे।</p> <p>CO.6- छात्रों में उपन्यास एवं कहानी की तात्विक समीक्षा क्षमता का विकास होगा।</p> <p>CO.7- छात्रों में हिन्दी कहानी के विविध स्वरूपों के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं का विकास होगा।</p>
<b>Hindi Literature B.A. 2<sup>nd</sup> Year</b>	<p>CO.1- छात्रों को अर्वाचीन हिन्दी काव्य के विकास का ज्ञान होगा।</p> <p>CO.2- छात्र छायावादी काव्य में व्यक्त प्रकृति चेतना से परिचित होंगे।</p> <p>CO.3- छात्र राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों के काव्य से परिचित होंगे।</p> <p>CO.4- छात्रों में हिन्दी निबंध एवं एकांकी विधा की तात्विक समीक्षा दृष्टि का विकास होगा।</p> <p>CO.5- छात्र अंधेर नगरी नाटक के माध्यम तद्युगीन साहित्य एवं भाषा से परिचित होंगे।</p> <p>CO.6- छात्रों में निबंध, एकांकी और नाटक के आस्वादन की क्षमता का विकास होगा।</p>
<b>Hindi Literature B.A. 3<sup>rd</sup> Year</b>	<p>CO.1- छात्रों को हिन्दी भाषा के विविध बोलियों का परिचय प्राप्त होगा।</p> <p>CO.2- छात्र हिन्दी भाषा के स्वरूप व विकास की अवधारणा से परिचित होंगे।</p> <p>CO.3- छात्रों को हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान होगा।</p> <p>CO.4- छात्र काव्य के स्वरूप एवं प्रयोजन से परिचित होंगे।</p> <p>CO.5- छात्रों में हिन्दी शब्द भण्डार के संबंध में विविध शब्दावली का ज्ञान प्राप्त होगा।</p> <p>CO.6- छात्रों को लोक साहित्य के स्वरूप एवं महत्व का ज्ञान प्राप्त होगा।</p> <p>CO.7- छात्र छत्तीसगढ़ी साहित्य के विविध विधाओं से परिचित होंगे।</p> <p>CO.8- छात्र छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं भाषा के विकासक्रम से परिचित होंगे।</p>



*Bruce*  
 PRINCIPAL  
 Kalyan Post Graduate College  
 Bhilai Nagar (C.G.)